FULL STOP - 28

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ बापदादा बच्चों के स्नेह की शक्ति देख रहे हैं कि स्नेह की शक्ति के आधार पर सेकेण्ड में कितनी भी दूर से समीप पहुंच जाते हैं। **जितनी स्नेह की शक्ति महान है, उतनी सम्मुख पहुंचने की स्पीड महान है।** कितने अमूल्य रतन सामने आ रहे हैं। एक-एक रत्न की महिमा महान है। किस-किस महारथी का वर्णन करें। शमा के ऊपर परवाने आ रहे हैं। सभी बच्चों को बापदादा सदा 'सहजयोगी भव' का वरदान दे रहे हैं।

➳ _ ➳ सिर्फ एक बिन्दी को याद करो। सबसे सरल मात्रा बिन्दी है। तो बापदादा सिर्फ बिन्दी का ही हिसाब बताते हैं। स्वयं भी बिन्दु रुप बनो, याद भी बिन्दु को करो और ड्रामा के हर दृश्य को जाने, करने के बाद बिन्दु की मात्रा लगा दो। **एक बिन्दु की मात्रा में आप, बाप और रचना, सब आ जाता है।** तो जानना ही क्या है - 'बिन्दु। करना भी क्या है- 'बिन्दु को याद' ।

(11.11.1981)

➢➢ प्रेम अलग अलग तलों पर

➳ _ ➳ देह के तल पर

➳ _ ➳ बुधी के तल पर

➳ _ ➳ भावना के तल पर

➳ _ ➳ आत्मा के तल पर

➳ _ ➳ परमात्म प्रेम

➢➢ किस किस से प्रेम ?

➳ _ ➳ व्यक्ति

➳ _ ➳ परिवार

➳ _ ➳ समाज

➳ _ ➳ राष्ट्र

➳ _ ➳ विश्व

➢➢ परमातम प्रेम अर्थात क्या ?

➳ _ ➳ उसकी रचना से प्यार

➳ _ ➳ उसके गुणों से प्यार

➳ _ ➳ मुरली से प्यार

→ मुरली के एक एक शब्द से प्यार

→ मुरली बाबा का भेजा हुआ प्रेम पत्र है

→ मुरली एक रस है जिसे पी जाना है

➳ _ ➳ बाबा की श्रीमत से प्यार

→ Obedience :- जो बाबा की हर आज्ञा मानता है

➳ _ ➳ ब्राह्मण परिवार से प्यार

➳ _ ➳ यज्ञ से प्यार

➳ _ ➳ उसके कर्तव्यों से प्यार

➳ _ ➳ सेवा से प्यार

➳ _ ➳ धारणाओ से प्यार

➳ _ ➳ मधुबन से प्यार

➳ _ ➳ बाबा के सीखाये हुए राजयोग से प्यार

➳ _ ➳ बाबा की सेवाओं से प्यार

→ कोई भी सेवा छोटी बड़ी कुछ नहीं

→ हर सेवा समान है